6 प्रत्यय

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- प्रत्ययों को समझाना।
- प्रत्ययों के प्रकारों को समझाना।
- शब्दांश व शब्द में अंतर समझाना।
- हिंदी के शब्दों में उर्दू, फ़ारसी, अंग्रेज़ी के प्रत्ययों के प्रयोग को समझाना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- शब्द-निर्माण प्रक्रिया के बारे में आप क्या जानते हैं?
- 'दुकानदार' और 'सब्ज़ीवाला' शब्दों में मूल शब्द कौन-से हैं?
- 'दार' और 'वाला' प्रत्यय का कोई अर्थ होता है या नहीं?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना–
  - शब्द-रचना एक प्रक्रिया है।
  - जो शब्दांश मूल शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, 'प्रत्यय' कहलाते हैं।
  - वास्तव में प्रत्यय शब्द नहीं शब्दों के अंश होते हैं।
  - प्रत्ययों का अपना अर्थ होता है।
  - भाषा में प्रत्ययों का प्रयोग स्वतंत्र रूप से नहीं हो सकता।
  - प्रत्यय के प्रयोग से नव शब्द में कभी परिवर्तन होता है, कभी नहीं।

परिवर्तन के साथ –	गा	+	वैया	=	गवैया
	धातु	+	प्रत्यय	=	नया शब्द
परिवर्तन विहीन –	कला	+	कार	=	कलाकार
	संज्ञा	+	प्रत्यय	=	नया शब्द

- प्रत्यय के विभिन्न प्रकारों के उदाहरणों की विस्तारपूर्वक चर्चा।
- 'हमने सीखा' के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।